□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□
अतारांकित प्रश्न □ख्□□: 3157
06 f□□□□, 2019 □□ □□□□□□□□□प्रश्□ □□ □त्त□

गुर्द संबंधी रोगों म वृद्धि

3157. श्री□ □□□□□ □□ □□□□□

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या देश म गुर्द संबंधी रोगों से पीड़ित लोगों को संख्या म वृद्धि हो रही है और यह रोग छोटे शहरों और गांवों म भी फैल चुका है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात को जानकारी है कि ऐसे रोगों के लिए नियमित उपचार को आवश्यकता है लेकिन आयुष्मान भारत योजना के अन्तगत शामिल नहों किए गए किसान, मध्य वर्गाय लोग और श्रमिक डायलिसीस पर प्रति माह 25-30,000 रुपये खच कर रह ह जिससे उनका परिवार प्रभावित हो रहा है और यदि हां, तो इस पर सरकार को क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या दरभंगा, बिहार के सरकारी अस्पताल म गुर्द संबंधी रोग के लिए उपचार उपलब्ध नहों है और रोगी निजी अस्पतालों म डायलिसिस पर 2000-2500 रुपये खच करने के लिए मजबूर है और यदि हां, तो सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक उपाय किए जाने का प्रस्ताव है;

(घ) क्या सरकार का ऐसे रोगियाकृ, जिनके पास आयुष्मान काड नहों है, को निशुल्क डायलिसिस को सुविधा प्रदान करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

□त्त□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्री□ (श्री अश्विनी □□□□ □□□)□

(क) से (ड.): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद को " इंडिया हैल्थ ऑफ दि नेशन्स स्टेट्स" रिपोट के अनुसार पुराने गुदा रोग संबंधी डिसेबिलिटी एडजस्टड लाईफ ईअस (डीएएलवाई) दर 1990 से 2016 के बीच 12% बढ़ी है। आईसीएमआर ने भारत के लोगों म गुदा रोग के प्रचलन पर देश के 7 केन्द्रों – दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद, भुवनेश्वर, कोलाकाता, गुवाहाटी, मुंबई म बहु-केन्द्रित परियोजना अध्ययन किया है। डाटा के शुरूआती रूझानों से विदित होता है कि पहली स्क्रीनिग पर सीकेडी के सामुदायिक प्रचलन को रज 5.5% से 18.2% है जबकि प्रथम स्क्रीनिग म औसत प्रचलन 11.4% है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के रूप म जिला अस्पतालों को सहयोग देने के लिए वष 2016-17 के दौरान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डॉयलिसिस कायक्रम (पीएमएनडीपी) शुरू किया गया

है। पीएमएनडीपी के तहत सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को नि:शुल्क डायलेसिस सेवाएं प्रदान करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान को जाती है। एनएचएम के तहत बिहार म पीएमएनडीपी का कायान्वयन आरंभ नहों किया गया है। तथापि, उपलब्ध सूचना के अनुसार दरभंगा मेडिकल कॉलेज म 7 डायलेसिस मशीनों सहित डायलेसिस सेवा उपलब्ध है। किंतु यह रोगियों के लिए भुगतान करने पर उपलब्ध है।

****